सौर ऊर्जा से जगमगाएगा विकास भवन

लोहिया संस्थान

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

सीडीओ दफ्तर यानी विकास भवन भी कलेक्ट्रेट की तरह सौर ऊर्जा पर मुख्य रूप से निर्भर होगा। इसके लिए तैयारियां तेज हो गई हैं।

अगले माह 15 तारीख तक सौर ऊर्जा के लिए सोलर पैनल व अन्य उपकरण लगाने का कार्य पूरा हो जाएगा। इसके बाद एलईडी बल्ब से लेकर एसी तक सौर ऊर्जा से काम करेंगे। कुछ माह पहले ही जिला कलेक्ट्रेट पर सौर ऊर्जा प्लांट लगाया गया था। सीडीओ योगेश कुमार ने बताया कि यह 'ग्रिड कनेक्टेड सोलर प्लांट' होगा। इसका मतलब सौर ऊर्जा को बैटरी में संचित नहीं किया जाएगा।

सूरज की रोशनी से जितनी बिजली बनेगी वह विकास भवन के प्रयोग में आएगी। शेष बिजली ग्रिड को चली जाएगी। बिजली के बिल में से ग्रिड में जाने वाली ऊर्जा की कीमत कम कर दी जाएगी। सोलर प्लांट लगाने की लागत प्रति किलोवाट 70 हजार रुपए यानी 75 लाख 60 हजार रुपए के करीब आएगी। सीडीओ दफ्तर की छत पर विशाल आकार वाले पांच से छह सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। सौर ऊर्जा से ये पैनल 108 किलोवाट बिजली बनाएंगे।

नेडा के इंजीनियरों ने बताया कि विकास भवन में बिजली की खपत इतनी नहीं है लेकिन भविष्य में जरूरत को देखते हुए ज्यादा क्षमता का प्लांट लगाया जा रहा है। रोजाना ग्रिड में जाने वाली अतिरिक्त बिजली से सौर ऊर्जा प्लांट की लागत निकल आएगी। इसके अलावा छुट्टियों के दिन क्योंकि दफ्तर बंद रहेंगे इसलिए प्लांट में बनने वाली बिजली सीधे ग्रिड को जाती रहेगी।